

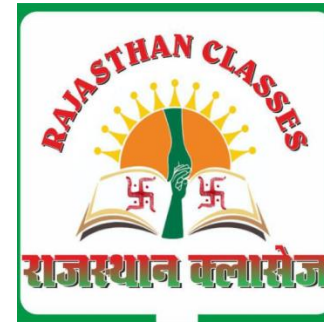
सिक्कों से संबंधित प्रश्नोत्तरी

राजस्थान GK

स्पेशल मॉडल पेपर

1. लाछूरा पुरातात्विक स्थल किस जिले में है ?

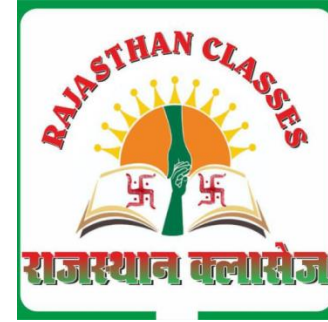
- अ. भीलवाड़ा में
- ब. नागौर में
- स. बाँसवाड़ा में
- द. जैसलमेर में



Ans. अ) भीलवाड़ा की आसींद तहसील में।

2. किस पुरातात्विक स्थल से 'शुंगकालीन तीखे किनारे वाले प्याले' मिले ?

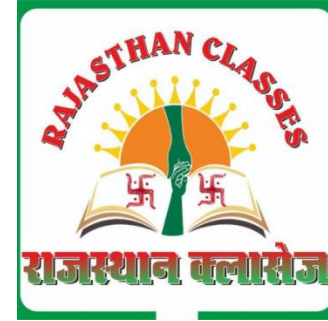
- अ. लाछुरा
- ब. ओझियाना
- स. गिलूण्ड
- द. गणेश्वर



Ans. अ)

3. ताम्रयुगीन आहड़ संस्कृति से संबंधित पुरातात्विक स्थल है ?

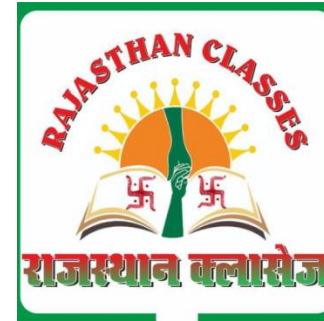
- अ. लाछुरा
- ब. बालाथल
- स. गणेश्वर
- द. ओझियाना



Ans. द) भीलवाड़ा जिले में बदनोर के पास स्थित, यहाँ BR मीना और आलोक त्रिपाठी सन् 2000 ई. में उत्खनन करवाया।

4. गधिया सिक्के किस राज्य से संबंधित थे?

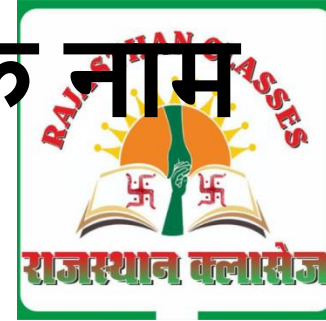
- अ. भीलवाड़ा
- ब. जोधपुर
- स. बीकानेर
- द. उदयपुर



Ans. द)

5. ढिंगला, भीडरिया व नाथद्वारिया है ?

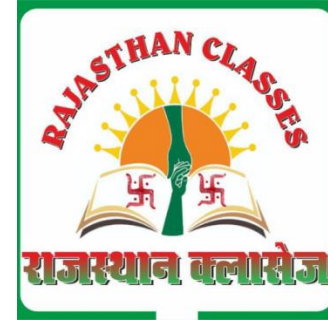
- अ. मेवाड़ में प्रचलित तांबे के सिक्के
- ब. मेवाड़ कीदरी पहियों के नाम
- स. मेवाड़ की ओढ़नियो के नाम
- द. मेवाड़ के राजस्व करों के नाम



Ans. अ) मेवाड़ में प्रचलित तांबे के सिक्के और भी थे- भिलाड़ी, त्रिशूलिया आदि

6. शिवि जनपद का उल्लेख का सर्वप्रथम
स्त्रोत है -

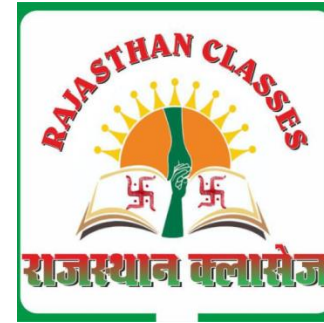
- अ. सिक्के
- ब. शिलालेख
- स. संस्कृति साहित्य
- द. यूनानी साहित्य



Ans. अ)

7. राजस्थान से प्राप्त प्राचीन सिक्के कहलाए-

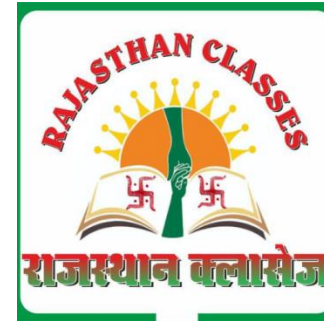
- अ. आहत सिक्के
- ब. कलदार सिक्के
- स. चान्दोड़ी सिक्के
- द. अखयशाही सिक्के



Ans. अ) आहत या पंचमार्क मुद्राओं का भारत में प्रचलन 5वीं-6वीं शती ईसा पूर्व महाजनपदकाल में हो गया था। इन्हें कार्षापण, पण या पुराण आदि नामों से पुकारा जाता था।

8. 'इकतीसंदा' रुपया राजस्थान की कौनसी
टकसाल में बनता था?

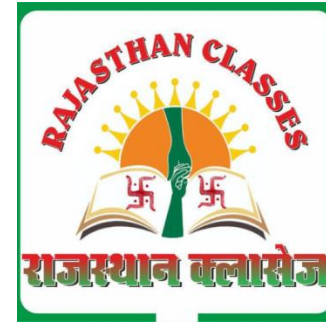
- अ. जोधपुर
- ब. सोजत
- स. कुचामन
- द. मेड़ता



Ans. स) सन् 1838 में कुचामन के ठाकुर ने महाराजामानसिंह
से आज्ञा प्राप्त कर अपने यहाँ टकसाल खोल दी।

9. राजस्थान में किन राजाओं के सिक्के
नलियासर, बैराठ तथा नगरी में प्राप्त हुए?

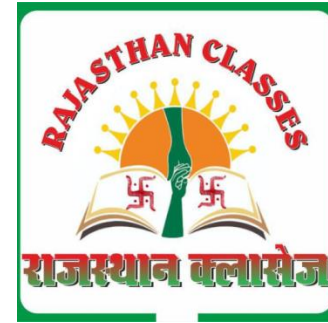
- अ. यूनानी
- ब. मुग़ल
- स. हूण
- द. गुहिल



Ans. अ)

10. किस महाराजा की स्वर्ण मुहरों पर झाड़ व तलवार का चित्र अंकित था ?

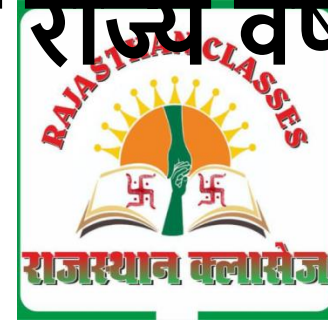
- अ. महाराजा तख्तसिंह
- ब. महाराजा विजयसिंह
- स. महाराजा गजसिंह
- द. महाराजा डूंगरसिंह



Ans. अ) विक्टोरिया व तख्तसिंह का नाम भी अंकित था।

11. इकदीसंदा रुपया से संबंधित सही युग्म है-

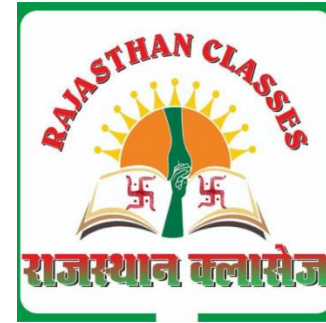
- अ. यह रुपया कुचामन की टकसाल में बना होने से कुचामनिया कहलाया
- ब. इसको बोपूशाही और बोरसी रुपया भी कहते हैं।
- स. इस शाहआलम- ॥ का 31वाँ राज्य वर्ष लिखा होने से इकदीसंदा कहलाया
- द. उपर्युक्त सभी सही हैं



Ans. द)

12. पताका, त्रिशूल, छत्र, चंवर और किरणीया
चित्र किस महाराजा के सोने के सिक्को पर
अंकित होते थे ?

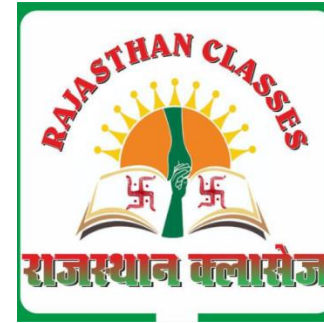
- अ. महाराजा तरुतसिंह
- ब. महाराजा गंगासिंह
- स. महाराजा गजसिंह
- द. महाराजा डूंगरसिंह



Ans. द) इनके चांदी के सिक्कों पर भी यहीं चित्र अंकित थे।

13. अकबर की चित्तौड़ विजय के उपरांत मेवाड़ में मुगल शासकों के सिक्के जारी हुए, जिन्हें कहा जाता है ।

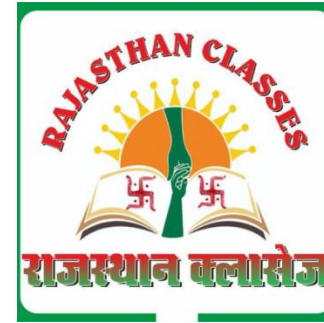
- अ. टम्म
- ब. सिक्का एलची
- स. चित्तौड़ी
- द. दीनार



Ans. ब)

14. झाड़शाही सिक्के राजस्थान की कौनसी
रियासत में प्रचलित थे ?

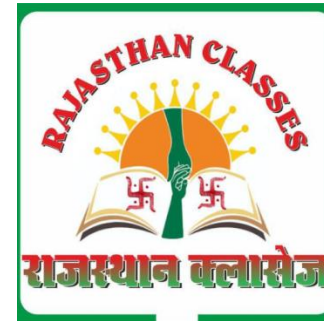
- अ. जयपुर
- ब. कोटा
- स. जोधपुर
- द. अजमेर



Ans. अ) जयपुर राज्य की टकसाले- आमेर, जयपुर,
सवाईमाधोपुर, रूपवास, सूरजगढ़ व चरण (खेतड़ी) थी।

15. निम्नलिखित में से किस स्थल से शासक
मिनेंडर के सोलह सिक्के प्राप्त हुए-

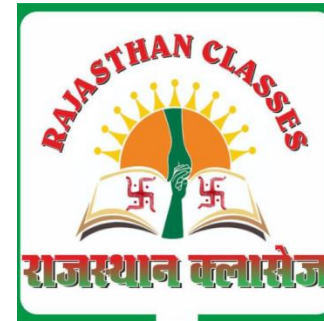
- अ. बैराठ
- ब. रैठ
- स. नगरी
- द. नगर



Ans. अ)

16. ग्यार सिंधिया सिक्का किस रियासत में प्रचलित था?

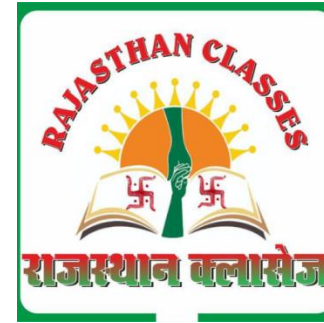
- (अ) शाहपुरा
- (ब) बूंदी
- (स) किशनगढ़
- (द) मारवाड़



अ) शाहपुरा के शासकों ने 1760ई. में चलाया, यहां मेवाड़ के चित्तौड़ी और भिलाडी सिक्को व पैसों का भी प्रचलन था।

17. सोजत, पाली, नागौर में किस रियासत के सिक्कों को ढालने की टकसाले थी?

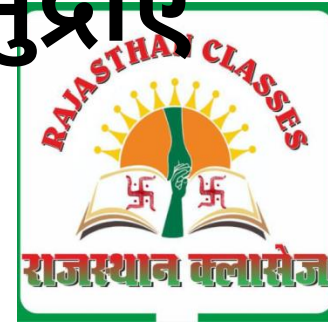
- (अ) आमेर
- (ब) मेवाड़
- (स) मारवाड़
- (द) शाहपुरा



स) मारवाड़ में लिल्लूलिया, लल्लू शाही रूररिया रूपया, ढब्बू शाही और भीमशाही प्रकार के सिक्के भी प्रचलित रहे हैं। ढब्बू शाही और भीम शाही तांबे के सिक्के थे।

18. निम्न में से कौन सी मुद्रा आदिवराह शैली की है?

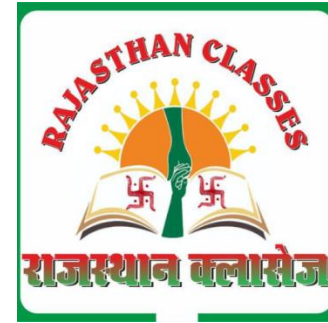
- (अ) गुप्तकालीन मुद्राएं
- (ब) चौहान कालीन मुद्राएं
- (स) गुर्जर प्रतिहार कालीन मुद्राएं
- (द) इंडो ग्रीक मुद्राएं



उत्तर- स)

19. राजस्थान मे लगभग 1800 गुप्तकालीन सिक्के कहाँ मिले है ?

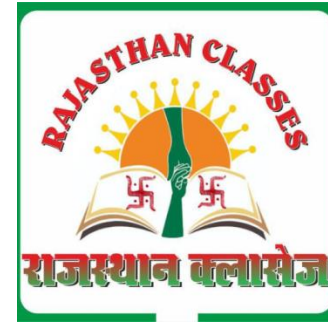
- (अ) आहड
- (ब) भीनमाल
- (स) बयाना
- (द) विराट नगर



स)

20. राजस्थान के किस स्थान से समुद्रगुप्त की ध्वज शैली की स्वर्ण मुद्राएं प्राप्त हुए हैं?

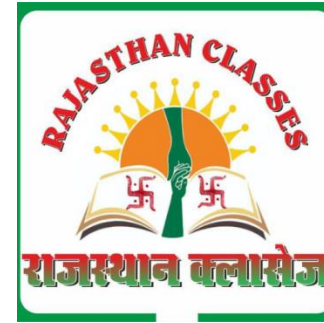
- (अ) बयाना
- (ब) आहड
- (स) नलिया सर
- (द) सायला



द)

21. किस स्थल के उत्खनन मे इण्डो यूनानी शासको के 28 सिक्के मिले है?

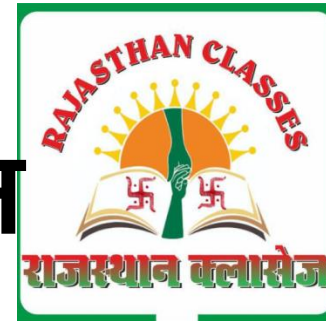
- (अ) आहड
- (ब) विराट नगर
- (स) बयाना
- (द) भीनमाल



उत्तर- ब)

22. राजन्य जनपद के पहली सदी ईसा पूर्व के सिक्के कहां से प्राप्त हुए हैं -

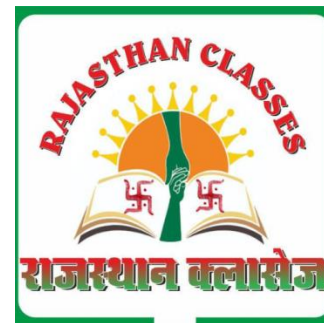
- (अ) पश्चिमी राजस्थान
- (ब) उत्तर पूर्वी राजस्थान
- (स) पूर्वी राजस्थान
- (द) दक्षिण पश्चिमी राजस्थान



उत्तर- स)

23. हाली सिक्का जो आमेर रियासत में चलता था किसने चलाया ?

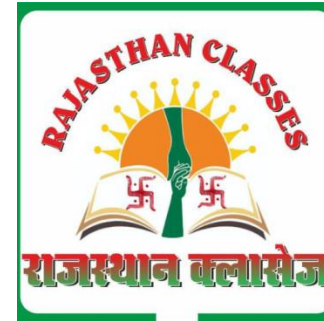
- (अ) जय सिंह
- (ब) राम सिंह
- (स) माधो सिंह
- (द) मान सिंह



उत्तर- स) माधोसिंह के रुपए को हाली सिक्का कहते थे।

24. तमंचाशाही सिक्के प्रचलित थे?

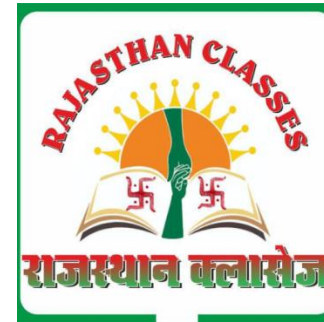
- (अ) किसनगढ़
- (ब) बूंदी
- (स) अलवर में
- (द) धौलपुर में



द) यहां के सिक्कों को तमंचाशाही कहा जाता था क्योंकि इन पर तमंचे का चिन्ह अंकित होता था।

25. डोंडिया व अखेशाही नामक मुद्रा प्रचलित थी?

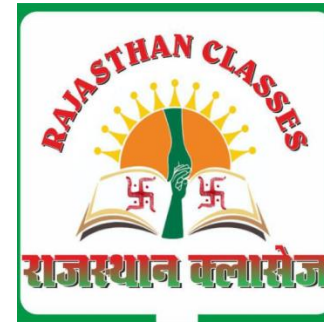
- (अ) बीकानेर में
- (ब) करौली में
- (स) जैसलमेर में
- (द) बांसवाड़ा में



स) मुगल काल में जैसलमेर में चांदी का मुहम्मद शाह सिक्का चलता था। 1756 ई. में महारावल अखैसिंह ने चांदी का अखैशाही सिक्का चलाया। डोंडिया तांबे का सिक्का था।

26.. कौनसी रियासत में माँडू और गुजरात के सिक्कों का प्रचलन था ?

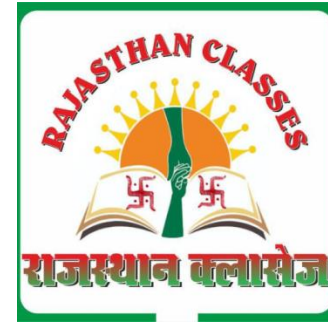
- (अ) बीकानेर रियासत में
- (ब) करौली रियासत में
- (स) जैसलमेर रियासत में
- (द) प्रतापगढ़ रियासत में



Ans. द) प्रतापगढ़ में सर्वप्रथम 1784ई.मे मुगल सम्राट शाह आलम की आज्ञा से महारावल सालिम सिंह ने चांदी के सिक्के ढलवाये इन सिक्कों को सालिमशाही सिक्का कहा जाता है।

27. बूंदी दरबार ने कलदार के साथ चेहरेशाही रुपया कब प्रचलित किया?

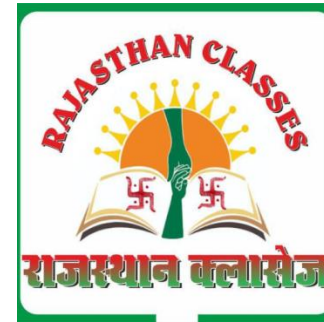
- (अ) 1990 में
- (ब) 1967 में
- (स) 1900 में
- (द) 1901 में



द) 1759-1859 ई. तक पुराना रूपया नाम का सिक्का चलता था। 1817 ई. में यहां ग्यारह-सना रूपया चलन में आया था। 1859 से 1886 तक यही रामशाही रूपया प्रचलन में रहा। 1886 में यहा कटारशाही रुपया ढाला गया। 1901 में बूंदी दरबार ने कलदार के साथ चेहरेशाही रुपया प्रचलित किया।

28. झालावाड रियासत में कौनसी रियासत के सिक्के प्रचलित थे?

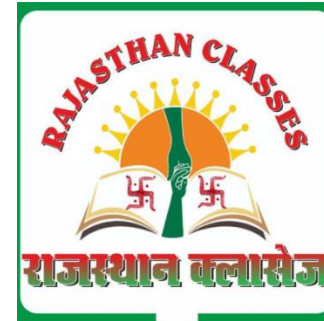
- (अ) बीकानेर रियासत के
- (ब) करौली रियासत के
- (स) कोटा रियासत के
- (द) बूंदी रियासत के



स) इन सिक्को पर पंच पंखुरी और फूली का चित्र अंकित होता था। कोटा क्षेत्र में प्रारंभ में गुप्तों व हुणों के सिक्के प्रचलित थे। कोटा रियासत की टकसालें कोटा, गांगरोन और झालरापाटन में स्थित थी

29. मेवाड़ में प्राचीनकाल में ___ सिक्के प्रचलित थे।

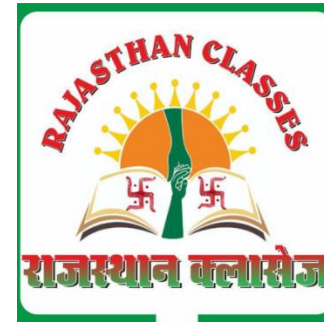
- (अ) सोने के
- (ब) चांदी के
- (स) तांबे के
- (द) उक्त सभी के



द) इन सिक्कों पर मनुष्य, पशु पक्षी, सूर्य, चन्द्र, धनुष, वृक्ष का चित्र अंकित रहता था।

30. ब्रिटिशकाल में सर्वप्रथम टकसाल खोलने की स्वीकृति कौनसे राज्य ने प्राप्त की ?

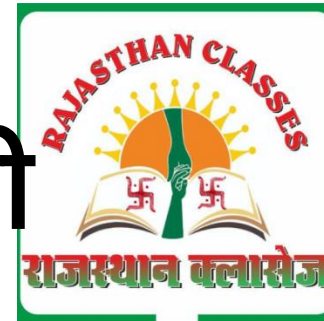
- (अ) जयपुर
- (ब) बूंदी
- (स) बीकानेर
- (द) जैसलमेर



अ) यहां की मुद्रा को झाड़शाही इसलिए कहते हैं, क्योंकि उसके ऊपर छह टहनियों के झाड़ का चिन्ह बना रहता था। जयपुर राज्य में मुगल काल में मुगली सिक्के चलते थे।

31. निम्न में से असंगत युग्म कौनसा है-
रियासत सिक्को के नाम

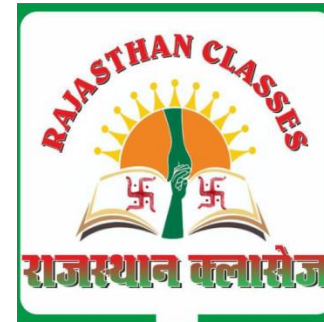
अ. प्रतापगढ़	सालिमशाही
ब. शाहपुरा	माधोशाही
स. सलूमबर	पद्मशाही
द. जैसलमेर	विजयशाही



Ans. द) जैसलमेर- अखेशाही

32. अलवर राज्य की टकसाल थी ?

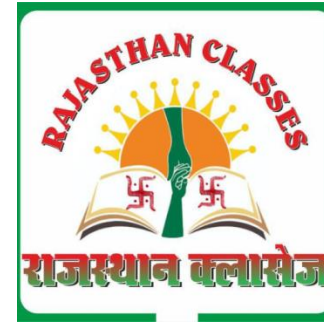
- अ. जयपुर
- ब. शाहपुरा
- स. राजगढ़
- द. मारवाड़



Ans. स) वहाँ 1876 ई. तक बने सिक्के 'रावशाही' कहलाते थे। यहाँ के सिक्के पर तलवार, भाला, फूल आदि अंकन होता था।

33. मेड़ता की टकसाल के बने रुपए पर 'हिजरी सन् 1188 का निशान' होने से वह रुपया क्या कहलाता था ?

- अ. बोपू शाही
- ब. इकदीसंदा
- स. कुचामनिया
- द. अठ्यासिया

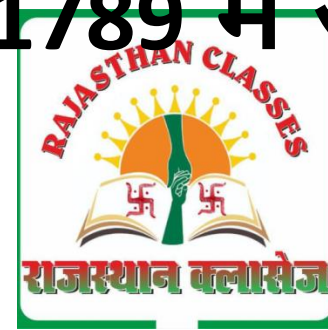


Ans. द) यहाँ के बने रुपए पर चाँद का चिह्न बना होने से वह 'चाँदशाही' नाम से भी प्रसिद्ध हुआ।

34. निम्न में से असंगत है-
टकसाल - सन्

- अ. पाली की टकसाल
- ब. सोजत की टकसाल
- स. जोधपुर की टकसाल
- द. इनमें से कोई नहीं

1788 में खोली गई
1807 में खोली गई
1789 में खोली गई



Ans. स) जोधपुर की टकसाल 1780 ई. में खोली गई

35. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद सोजत
टकसाल के सिक्कों किसका अंकन होता था ?

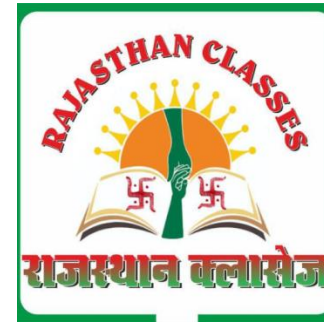
- अ. तलवार एवं झाड़
- ब. श्रीमाताजी एवं श्रीमहादेव
- स. सन् 1121 जुलूस मैमनत मानूस
- द. पताका, त्रिशूल, छत्र, चंवर



Ans. ब)

36. जोधपुर के ताम्बे के सिक्के भारी होने के कारण कहलाते थे?

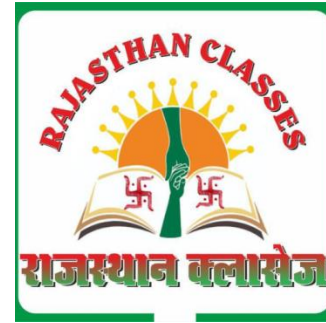
- अ. भीमबेटका
- ब. भीमशाही
- स. विक्टोरिया
- द. गधिया सिक्के



Ans. ब) भीमशाही एवं ढब्बूशाही कहलाते थे। इन पर भी पहले शाहआलम तथा 1858 के बाद विक्टोरिया के नाम अंकित होते थे।

37. सोजत की टकसाल के सिक्के क्या कहलाते थे -

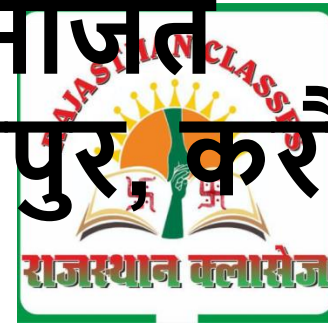
- अ. विजयशाही
- ब. बाइसंदा
- स. ग्यारसंदा
- द. इनमें से कोई नहीं



Ans. द) लल्लूलिया (लल्लूशाही)

38. मुगलकाल में मारवाड़ रियासत में टकसाले थी ?

- अ. जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, नागौर
- ब. जैसलमेर, बाड़मेर, अजमेर, जालौर
- स. जोधपुर, नागौर, पाली, सोजत
- द. सोजत, किशनगढ़, धौलपुर, करौली



Ans. स) यहाँ महाराजा गजसिंह (1619-1638ई.) ने 'गजशाही सिक्के' जारी किए।

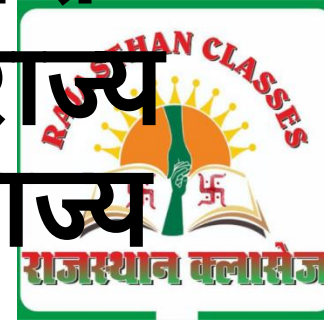
39. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?

मुद्राएं

जारीकर्ता

अ. ग्यारसंदा
ब. विन्शोपक
स. शाहआलम
द. ढब्बूशाही

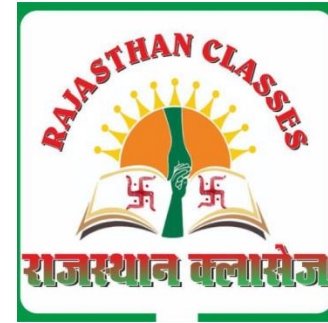
जयपुर राज्य
चाहमान वंश
भरतपुर राज्य
मारवाड़ राज्य



Ans. अ) ग्यारसंदा-शाहपुरा) शाहपुरा के सोने- चांदी के सिक्के 'ग्यारसंदा' कहलाते थे।

40. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में पंचमार्क सिक्को के बारे में सबसे पहले साक्ष्य हुआ है?

- अ. बिहार
- ब. गुजरात
- स. उत्तरप्रदेश
- द. इनमें से कोई नहीं



Ans. द) राजस्थान, देश में पंचमार्क सिक्को के बारे में सर्वप्रथम साक्ष्य रैठ (टोंक) के उत्खनन में मिले है।

बधाई हो !

ये **Question's** आपने सफलतापूर्णक पढ़ लिए है-

आशा करते है,, कि ये मॉडल पेपर एग्जाम के लिए महत्वपूर्ण एवं सहायक सिद्ध हो!

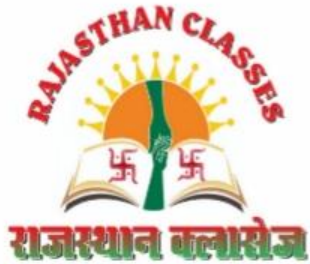
RAJASTHAN CLASSES

Thank You!

नवीनतम राजस्थान GK (टॉपिक वाइज नोट्स)

Free PDF

[Click Here](#)



By - Aadarsh Sir





Click Here



लाइव क्लासेज यहां से देखें

Click Here



अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें

Click Here



हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी

Click Here